संवाद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न बदलावों को लेकर आई है। इसके तहत शिक्षा के क्षेत्र में अनेकों सुधार किए जा रहे हैं। यह नीति शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक तथा शिक्षार्थियों के साथ अभिभावकों को भी नई राह दिखाने का कार्य कर रही है। हाल ही में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुझाव पर बुनियादी स्तर की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार की गई। वर्तमान में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के सुझावों को सफल बनाने के लिए बुनियादी स्तर की शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार हो रहे हैं। इस दिशा में यदि आपके द्वारा भी कोई प्रयास किया जा रहा है तो आप हमें लेख अवश्य भेजें। *प्राथमिक शिक्षक* पत्रिका शिक्षकों, शोधार्थियों द्वारा लिखे लेखों के ज़रिए पाठकों को शिक्षा के क्षेत्र में आ रहे बदलावों से अवगत कराती है।

प्रस्तुत अंक में कुल आठ लेख, एक कविता, बालमन तथा विशेष शामिल किए गए हैं। प्राथमिक शिक्षक के इस अंक में प्राथमिक स्तर पर बच्चों में सकारात्मक गणितीय विश्वास उत्पन्न करने के लिए खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-खेल में पूर्व-प्राथमिक स्तर पर किया जा रहा शैक्षिक क्रियाओं का संचालन, कोविड-19 के समय आने वाली चुनौतियाँ तथा उनसे उबरने के लिए किए जाने वाले विभिन्न प्रयास, कोरोना महामारी से प्रभावित शिक्षा के क्षेत्र को प्रबल बनाने के लिए शिक्षकों तथा संस्थाओं द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का उपयोग, अंग्रेज़ी के बहुल उपयोग के बीच हिंदी का प्रबल उपयोग, हिंदी शिक्षण में सुधार की आवश्यकता, प्राथमिक स्तर पर मुस्लिम लड़कियों के परिप्रेक्ष्य में ड्रॉपआउट-संबंधी समस्याओं का अध्ययन, बी.एड. छात्राध्यापकों के कौशल विकास में एकीकृत शिक्षण अभ्यास की आवश्यकता और उसकी वर्तमान समय में प्रासंगिकता आदि विषयों पर बात की गई है।

कोविड-19 महामारी का वह दौर शिक्षा के लिए सबसे ज़्यादा चुनौतिपूर्ण था जो आई.सी.टी. क्षेत्र में अनेकों शैक्षिक इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से शिक्षक और शिक्षार्थियों का परिचय करा गया। इनकी सहायता से शिक्षा के किसी भी क्षेत्र से संबंधित विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकेगा। ये इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स प्राथमिक, उच्च प्राथमिक या किसी भी स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास में सहायक होंगे। दूसरी ओर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-खेल में पूर्व-प्राथमिक क्रियाओं का

© NCERT not to be republished

संचालन किया जा सकता है। इसके लिए खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र के ज़रिए प्राथमिक स्तर पर बच्चों में सकारात्मक गणितीय विश्वास उत्पन्न किया जा सकता है जिससे बच्चों का मानसिक विकास हो सकेगा।

भाषा के स्तर पर भी प्राथमिक शिक्षा में सुधार किए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि अंग्रेज़ी के बहुल उपयोग से हिंदी अत्यधिक प्रभावित हो रही है। ऐसे में हिंदी शिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। इस समस्या को रेखांकित करने वाला लेख भी प्रस्तुत अंक में शामिल किया गया है। शिक्षा का स्तर बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए एक लेख में वास्तविक तथा आभासी कक्षा के उदाहरण के साथ कक्षा में आने वाली समस्याओं को चिह्नित किया गया है तथा बी.एड. छात्राध्यापकों के कौशल विकास में एकीकृत शिक्षण अभ्यास की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

ड्रॉपआउट वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है जिससे बच्चों का मानसिक तथा सामाजिक विकास प्रभावित हो रहा है, इसलिए इस अंक में ऐसा लेख शामिल किया गया है जो प्राथमिक स्तर पर मुस्लिम लड़कियों के परिप्रेक्ष्य में ड्रॉपआउट-संबंधी समस्याओं से पाठकों को अवगत कराता है। इसके द्वारा ड्रॉपआउट-संबंधी समस्याओं से निजात के उपाय भी ढूँढे जा सकते हैं।

पत्रिका में 'विशेष' के अंतर्गत 'पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश' को शामिल किया गया है, ताकि आप इसे पढ़कर इससे लाभान्वित हों।

आशा है कि आपको यह अंक पसंद आएगा। यदि पत्रिका के संबंध में आपके कोई सुझाव हों तो हमें अवश्य भेजें। हम अपने आगामी अंक में उन्हें शामिल करने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित।

अकादमिक संपादक

© NCERT not to be republished